

3.4.2018 पञ्जावली वादीगण के विवेक पर पञ्जावली  
 सिंगहे से तलख की गई जारी न 55  
 प्रयोग-पत्र बाद समझौता होने से बाद को  
 विद्रो करने का प्रयोग पेश किया न  
 स्वीकार किया जाकर शारील प्रीतल पञ्जावली  
 वादीगण स्वयं हाथिर जिनेड आडिरी रीट  
 हस्ताक्षर लिखे गये जितनी पहनाय वादीगण  
 अधिकता ही नौपराय चल करार की गई  
 पञ्जावली विद्रो करने की स्वीकरी की  
 गई पञ्जावली जेफल युक्त होकर नमक  
 से मत की जाकर पकसत पारिषद हो  
 200.

श्री सुवं

लुपेरीने